संपादक :- रंजीत सिंह

RNI No-UPHIN/2001/03844

साप्ताहिक

राष्ट्रीय मानवाधिकार

संपर्क सूत्र- 9779193694, email- rashtriyamanvadhikar@gmail.com

वर्ष : 26 अंक : 14 | मेरठ, मंगलवार, 28 जुलाई 2026 | पृष्ठः 04 | मूल्य : एक रूपया

गुरु केवल शिक्षा ही नहीं देते, बल्कि जीवन को दिशा भी देते:योगी

» एजेंसी। लखनऊ

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरु पूर्णिमा के पावन अवसर पर प्रदेशवासियों को शुभकामनाएं देते हुए गुरु शिष्य परंपरा को भारतीय संस्कृति की अमूल्य धरोहर बताया है। उन्होंने कहा कि गुरु केवल शिक्षा ही नहीं देते, बल्कि जीवन को दिशा भी देते हैं। उन्होंने प्रदेशवासियों से आह्वान किया कि वे अपने गुरुजनों का सदैव सम्मान करें और उनके बताए आदर्शों को जीवन में उतारें। मुख्यमंत्री ने कहा कि इससे व्यक्ति का सर्वांगीण विकास सुनिश्चित होगा और विकसित प्रदेश के निर्माण का मार्ग भी प्रशस्त होगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपने संदेश में कहा, मेरे सम्मानित प्रदेशवासियों, भारतीय मनीषा एवं सनातन संस्कृति में गुरु को साक्षात परम ब्रह्म माना गया है।

विक्रम संवत 2083 की आषाढ़ शुक्ल पूर्णिमा (29 जुलाई, 2026) को गुरु पूर्णिमा का पावन पर्व हम सबके लिए गुरुजनों के प्रति श्रद्धा, कृतज्ञता और सम्मान प्रकट करने का अवसर है। उन्होंने कहा कि सनातन परंपरा में यह पर्व महर्षि वेदव्यास की स्मृति में 'व्यास पूर्णिमा' के रूप में मनाया जाता है। बौद्ध परंपरा में यह भगवान बुद्ध के प्रथम उपदेश और धर्मचक्र प्रवर्तन का स्मृति-दिवस है। जैन परंपरा में इसका संबंध गौतम स्वामी के ज्ञान-दीक्षा प्रसंग से है, जबकि सिख परंपरा में भी गुरु- वाणी सर्वोपरि है। इसीलिए गुरु पूर्णिमा गुरुशि ष्य परंपरा एवं आध्यात्मिक चेतना का सार्वकालिक उत्सव है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रभु श्रीराम ने गुरु वशिष्ठ से ज्ञान और संस्कार प्राप्त कर आदर्श जीवन की मर्यादाओं को आत्मसात किया, जबकि भगवान श्रीकृष्ण ने महर्षि सांदीपनि के आश्रम में रहकर ज्ञान प्राप्त किया।

उन्होंने कठोपनिषद का उल्लेख करते हुए कहा कि नचिकेता ने यमराज के समक्ष क्षणिक सुख और वैभव का नहीं, बल्कि 'श्रेय' अर्थात् सत्य एवं आत्मज्ञान का मार्ग चुना। योगी आदित्यनाथ ने कहा कि जहां गुरु का सम्मान होता है, वही समाज उन्नति करता है। इसी भावना के अनुरूप राज्य सरकार ने पिछले नौ वर्षों में शिक्षक सम्मान और उनके सशक्तीकरण को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है।

उन्होंने कहा कि पारदर्शी भर्ती, समयबद्ध सेवा-सुविधाएं, आधुनिक डिजिटल संसाधन तथा निरंतर क्षमता संवर्धन सुनिश्चित कर सरकार ने गुरुजनों को ऐसा समर्थ वातावरण उपलब्ध कराने का प्रयास किया है, जहां वे ज्ञान, संस्कार और राष्ट्र निर्माण की अपनी भूमिका का प्रभावी ढंग से निर्वहन कर सकें। मुख्यमंत्री ने कहा कि शिक्षकों का सम्मान और उनका कल्याण सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में है। इसी उद्देश्य से मुख्यमंत्री शिक्षक कैशलेस चिकित्सा योजना शुरू की गई है। इसके तहत बेसिक एवं माध्यमिक शिक्षा से जुड़े प्रदेश के 60 लाख शिक्षक, शिक्षणेत्तर कर्मचारी और उनके आश्रित परिजन लाभान्वित हो रहे हैं। उन्होंने बताया कि उच्च शिक्षा विभाग के राज्य एवं निजी विश्वविद्यालयों, अशासकीय सहायता प्राप्त महाविद्यालयों तथा स्ववित्तपोषित महाविद्यालयों के 7.50 लाख से अधिक शिक्षकों और उनके आश्रित परिजनों को भी इस योजना के दायरे में लाया गया है। साथ ही, शीघ्र ही 2.50 लाख से अधिक शिक्षणेत्तर कर्मचारी और उनके आश्रित परिजनों को भी इस योजना का लाभ मिलेगा। शिक्षकों एवं शिक्षणेत्तर कर्मचारियों को सामाजिक सुरक्षा बीमा कवर भी उपलब्ध कराया जा रहा है।

मुख्यमंत्री ने अपने संदेश के अंत में कहा कि गुरु स्वयं ज्ञान का आलोक हैं, जो शिष्य को अज्ञानरूपी तम से निकालकर सत्य, संस्कार और प्रकाश के पथ पर अग्रसर करते हैं। उन्होंने प्रदेशवासियों से विशेष आग्रह किया कि वे अपने गुरुजनों का सदैव स्मरण रखें और उनके दिए आदर्शों को अपने जीवन में अपनाएं। उन्होंने कहा कि यही विकसित व्यक्ति और विकसित उत्तर प्रदेश की सबसे सशक्त आधारशिला है।

भगवा ध्वज जीवन-मृत्यु दोनों का देता है संकेत : संजय हर्ष मिश्र

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में स्थित राष्ट्रधर्म कार्यालय में आयोजित पुस्तक चर्चा कार्यक्रम में इतिहास संकलन योजना के अखिल भारतीय सह संगठन सचिव संजय हर्ष मिश्र ने कई महत्वपूर्ण, उपयोगी जानकारियां दी। कार्यक्रम में भगवा ध्वज पुस्तक पर चर्चा की गई, जिसके लेखक नारायण हरि पालकर हैं। उन्होंने बताया कि ध्वज आठ प्रकार के होते हैं। ध्वज के महत्व, उपयोग की विस्तृत जानकारी देते हुए उन्होंने कहा कि प्रायः इनका उपयोग युद्ध में होता था। ध्वज राज्य का होता था, जबकि सेनापति की पताका होती थी। मिश्र ने स्वामी रामतीर्थ का उल्लेख करते हुए कहा कि स्वामी जी कहते थे कि भगवा ध्वज जीवन-मृत्यु दोनों का ही संकेत देता है। भगवा ध्वज इस बात का संकेत देता है कि यह शरीर अन्त में मिट्टी में मिल जायेगा।

देश का विकास रोकना चाहती है विपक्ष: कंगना रनौत

» एजेंसी। लखनऊ

नई दिल्ली । दिल्ली के जंतर-मंतर पर छात्रों के विरोध प्रदर्शन के दौरान पुलिस कार्रवाई के मुद्दे को लेकर सोमवार को विपक्षी सदस्यों ने लोकसभा में नारेबाजी और हंगामा किया। भाजपा सांसद कंगना रनौत ने मीडिया के साथ बातचीत में विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि इन्होंने तय कर लिया है कि वे संसद को ठीक से चलने नहीं देंगे। संसद में विपक्ष के विरोध प्रदर्शन पर कंगना रनौत ने कहा, विपक्ष ने ये तय कर लिया है कि कितना भी महत्वपूर्ण मुद्दा क्यों न हो। ये लोग सदन की कार्यवाही को नहीं चलने देंगे। आज जब शिक्षा सुधार से जुड़ा एक विधेयक पेश किया गया, तो उन्होंने उसका भी विरोध किया। देश को देखना चाहिए कि शिक्षा सुधार जैसे अहम बिल का भी संसद में विरोध किया गया और कहा गया कि इसे पेश ही नहीं किया जाना चाहिए। उनकी मंशा है कि देश में कोई काम न हो और विकास की प्रक्रिया रुक जाए, क्योंकि जनता ने उन्हें सरकार चलाने का जनादेश नहीं दिया है। इसी वजह से वे इस तरह की राजनीति कर रहे हैं। उन्होंने कहा, ₹हमारे प्रधानमंत्री पूरी दुनिया के लिए एक बड़ा उदाहरण हैं। वे देश के लोगों से जुड़े हर छोटे-बड़े मुद्दे को लेकर पूरी तरह समर्पित रहने वाले नेता हैं। आपने देखा होगा कि उन्होंने परीक्षा प्रणाली में सुधार के लिए एक उच्च स्तरीय टास्क फोर्स का गठन किया है, जो इस व्यवस्था

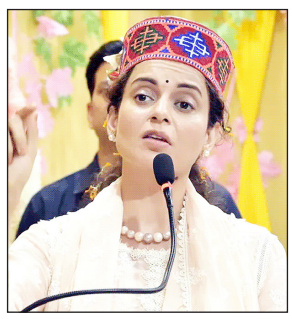

को भ्रष्टाचार मुक्त बनाने की दिशा में काम करेगी। इसके अलावा, परीक्षाओं से जुड़ा संशोधन विधेयक भी तुरंत लाया गया। यह प्रधानमंत्री की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

कंगना रनौत ने राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए कहा कि वे इस समय 'खिसयानी बिल्ली खम्मा नोचे' वाला काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा, राहुल गांधी को यह देखना चाहिए कि यूपीए सरकार के समय शिक्षा का बजट कितना था। उस समय शिक्षा के लिए केवल नाममात्र का बजट रखा जाता था।

कंगना ने संसद में अपने सोशल मीडिया के माध्यम से जेन जी द्वारा विरोध प्रदर्शन और अभद्र भाषा का प्रयोग किए जाने वाले वीडियो पर भी रिएक्ट किया। अभिनेत्री ने अपने इंस्टाग्राम स्टोरीज सेक्शन पर लिखा, मैंने अपनी पूरी जिंदगी में कभी एक जगह पर इतनी नकारात्मकता और बदसूरती नहीं देखी। जेन-जी के विरोध प्रदर्शनों से जुड़ी ये रील्स देखकर बहुत बुरा लग रहा है। जिस तरह से लोग बात कर रहे हैं और जिस तरह की भाषा का इस्तेमाल कर रहे हैं, वह मुझे बहुत आपत्तिजनक और असभ्य लग रही है। हर फ्रेम में इतनी असहजता और खराब व्यवहार एक साथ देखना मेरे लिए बहुत परेशान करने वाला है। मुझे समझ नहीं आता कि लोग इस तरह की सोच और व्यवहार कहां से सीख रहे हैं।

उन्होंने बताया कि वे खुद की शांति के लिए सोशल मीडिया से दूर रहेंगी। उन्होंने लिखा, भारत हमेशा से विविधता, सुंदरता, संस्कृति और शालीनता के लिए जाना जाता है, लेकिन जब लोग खुद को अपमानजनक नामों से पुकारते हैं और उसी तरह का व्यवहार करते हैं, तो यह हमारी संस्कृति की गरिमा से बिल्कुल अलग दिखाई देता है। इन रील्स को देखकर मैं बहुत परेशान हो गई हूं।

ई20 के विरोध में एक अगस्त को आपा करेगी 'नेशनल टाउन हॉल' का आयोजन

» एजेंसी। नई दिल्ली

आम आदमी पार्टी (आआपा) के राष्ट्रीय संयोजक एवं दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने बताया कि पार्टी एक अगस्त को नई दिल्ली के कॉन्स्टिट्यूशन क्लब में 'नेशनल टाउन हॉल अगेंस्ट ई20' का आयोजन करेगी। उन्होंने कहा कि इस कार्यक्रम का उद्देश्य ई20 ईंधन से जुड़े मुद्दों पर विशेषज्ञों, प्रभावित वाहन मालिकों और आम लोगों को एक मंच पर लाना है। अरविंद केजरीवाल ने सोमवार को पार्टी कार्यालय में आयोजित पत्रकार वार्ता में कहा कि देशभर से लोग ई20 ईंधन को लेकर शिकायतें कर रहे हैं। लोगों की गाड़ियां खराब हो रही हैं और माइलेज पर भी असर पड़ रहा है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से इस मुद्दे पर हस्तक्षेप कर समाधान निकालने की अपील की। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि जिस तरह युवाओं की एकजुट आवाज के बाद केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान को इस्तीफा देना पड़ा, उसी तरह ई20 के मुद्दे पर भी जनता को संगठित होकर अपनी बात रखनी होगी। उन्होंने कहा कि सरकार को यह मामला बड़ा बनने से पहले ही इसका समाधान करना चाहिए।

उन्होंने बताया कि 'नेशनल टाउन हॉल अगेंस्ट ई20' शनिवार को दोपहर 12 बजे शुरू होगा। दिल्ली और आसपास के क्षेत्रों के लोगों से उन्होंने सुबह 11:30 बजे तक कॉन्स्टिट्यूशन क्लब पहुंचने की अपील की। दिल्ली से बाहर रहने वाले लोग ऑनलाइन भी कार्यक्रम से जुड़ सकेंगे। इसके लिए 8583212 8583212 नंबर पर व्हाट्सएप संदेश भेजना होगा, जिसके बाद शुक्रवार शाम तक ऑनलाइन लिंक उपलब्ध कराया जाएगा। केजरीवाल ने कहा कि इस टाउन हॉल में ई20 से जुड़े विशेषज्ञ, प्रभावित वाहन मालिक और इस विषय में रुचि रखने वाले लोग अपने विचार रखेंगे। कार्यक्रम में आगे की रणनीति भी तय की जाएगी कि सरकार पर ई20 नीति वापस लेने के लिए किस प्रकार दबाव बनाया जाए।

'पेपर लीक बिल' पर चर्चा न होने देना दुर्भाग्यपूर्ण

» एजेंसी। नई दिल्ली

संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा कि देशभर के छात्रों की मांगों और हाल में हुए छात्र आंदोलन को ध्यान में रखते हुए सरकार परीक्षा में पेपर लीक और अनुचित साधनों पर रोक लगाने के लिए आज एक बेहद महत्वपूर्ण विधेयक संसद में लेकर आई है। उन्होंने कहा कि यदि इतने बड़े छात्र आंदोलन के बाद भी इस मुद्दे पर संसद में चर्चा नहीं हो पाती, तो यह न संसद के लिए अच्छा है और न ही लोकतंत्र के लिए। ससंद बहस और चर्चा का सर्वोच्च मंच है, इसलिए ऐसे महत्वपूर्ण विषयों पर यहीं सार्थक चर्चा होनी चाहिए। रिजिजू ने संसद भवन परिसर में पत्रकारों से बातचीत में आरोप लगाया कि कांग्रेस और कुछ विपक्षी दल इस विधेयक पर चर्चा नहीं होने दे रहे हैं तथा नारेबाजी, काले कार्ड दिखाकर और अन्य तरीकों से सदन की कार्यवाही बाधित कर रहे हैं। उन्होंने कांग्रेस और विपक्षी दलों से अपील की कि वे देश के छात्रों की भावनाओं को समझें और हंगामा करने के बजाय इस महत्वपूर्ण विधेयक पर चर्चा में भाग लें।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने परीक्षा व्यवस्था में सुधार के लिए बड़ा निर्णय लिया है और इसके लिए एक टास्क फोर्स का गठन भी किया गया है। उन्होंने कहा कि यह ऐतिहासिक विधेयक पेपर लीक रोकने के लिए सख्त और समयबद्ध प्रावधानों के साथ-साथ दोषियों के लिए कड़ी सजा का प्रावधान करता है, जिससे छात्रों का भविष्य अधिक सुरक्षित होगा। उन्होंने सभी दलों से छात्रों के हित को सर्वोपरि रखते हुए विधेयक पर गंभीर और सकारात्मक चर्चा करने की अपील की।

सम्पादकीय

असहमति पर अंकुश : न्यायमूर्ति की खरी-खरी

देश में गाहे-बगाहे असहमति के अधिकार और व्यक्तिगत आजादी पर अंकुश लगाने के प्रयासों पर चर्चा होती ही रहती है। अब सुप्रीम कोर्ट के जज जस्टिस उज्ज्वल भुइयां के हालिया बयानों ने इस मुद्दे को एक बार फिर सार्वजनिक विमर्श का विषय बनाया है। दरअसल, पिछले हफ्ते भोपाल स्थित नेशनल लॉ इंस्टीट्यूट यूनिवर्सिटी में एक व्याख्यान देते हुए उन्होंने उत्तर प्रदेश में चौदह युवाओं की गिरफ्तारी और उन्हें लंबे समय तक हिरासत में रखने के मुद्दे पर तल्ख सवाल उठाए थे। दरअसल, मार्च 2026 में इन युवाओं पर आरोप लगा था कि उन्होंने उत्तर प्रदेश के वाराणसी में गंगा नदी में नाव की सवारी के दौरान इफ्तार के दौरान चिकन बिरयानी खाई थी और बिरयानी के बचे अवशेष नदी में डाल दिए थे। स्थानीय स्तर पर मामले के तूल पकड़ने के बाद इन चौदह युवाओं को गिरफ्तार किया गया था। जस्टिस उज्ज्वल भुइयां ने इस कार्रवाई पर सवाल उठाते हुए कहा था कि गंगा नदी के ऊपर या किनारे चिकन बिरयानी खाना कोई कानूनी अपराध नहीं है। उनका कहना था कि किसी भी कानून में ऐसी गतिविधि पर रोक नहीं है। जस्टिस भुइयां ने इसके साथ ही शांतिपूर्ण असहमति को अपराध की श्रेणी में लाने के बढ़ते चलन पर भी चिंता जताई। दूसरे शब्दों में कहें तो उन्होंने भारतीय लोकतंत्र की सेहत से जुड़े ज्वलंत प्रश्नों को सार्वजनिक बहस का हिस्सा बनाया है। तो सवाल उठता है कि क्या केंद्र सरकार लोगों की निजी पसंद, अभिव्यक्ति की आजादी और विरोध करने के अधिकार पर रोक लगाने में हद से आगे बढ़ रही है? क्या नागरिकों को उन कामों के लिये उनकी आजादी से वंचित किया जा सकता है जो कुछ लोगों की भावनाओं को ठेस तो पहुंचा सकते हैं, लेकिन स्पष्ट रूप से अपराध की श्रेणी में नहीं आते? हाल-फिलहाल के घटनाक्रमों के आलोक में बीस जुलाई को दिल्ली के जंतर-मंतर पर प्रदर्शनकारियों पर पुलिस की कार्रवाई को देखते हुए, न्यायमूर्ति उज्ज्वल भुइयां की राय से असहमत होना मुश्किल ही कहा जाएगा। उनकी राय थी कि असहमति के लिये जगह कम होती जा रही है। दरअसल, हाल के वर्षों में अक्सर देखा गया है कि देश में पर्यावरण कार्यकर्ता, छात्र, विभिन्न संगठन और दूसरे नागरिक जो असहमति जताते हैं, उन्हें अक्सर आपराधिक मामलों का सामना करना पड़ता है। लेकिन सरकार प्रतिरोध के स्वरों की अनसुनी कर देती है। हालांकि, देर-सवेर अदालतें, अक्सर मामले के कानूनी प्रक्रिया में आने के बाद उन्हें राहत दे देती हैं। लेकिन अक्सर जमानत में होने वाली देरी और सख्त शर्तें अपने आप में सजा का ही एक रूप बन सकती हैं।

आरकेजीआईटी और एल एंड टी एडुटेक के बीच समझौता

» संवाददाता

गाज़ियाबाद। राज कुमार गोयल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (आरकेजीआईटी), गाज़ियाबाद और एल एंड टी एडुटेक के बीच ई-मोबिलिटी एवं इलेक्ट्रिक वाहनों के क्षेत्र में उत्कृष्टता केंद्र की स्थापना के लिए समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। इस पहल का उद्देश्य विद्यार्थियों को उद्योग आधारित प्रशिक्षण, अत्याधुनिक तकनीकों, अनुसंधान, नवाचार और रोजगारोन्मुख कौशल से सशक्त बनाना है।

समझौता कार्यक्रम में आरकेजी ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशन्स के वाइस चेयरमैन अक्षत गोयल, सलाहकार डॉ. लक्ष्मण प्रसाद, कार्यकारी निदेशक डॉ. डी. के. चौहान, निदेशक डॉ. बी. सी. शर्मा, एल एंड टी एडुटेक के एसोसिएट डायरेक्टर राम शर्मा तथा उत्तर भारत के क्षेत्रीय प्रमुख आशीष मिश्रा सहित संस्थान के विभागाध्यक्ष, संकाय सदस्य और बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे। निदेशक डॉ. बी. सी. शर्मा ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के अनुरूप उद्योग और शैक्षणिक संस्थानों के बीच सहयोग विद्यार्थियों को भविष्य की तकनीकों के अनुरूप तैयार करने का प्रभावी माध्यम है। उन्होंने बताया कि प्रस्तावित उत्कृष्टता केंद्र के माध्यम से विद्यार्थियों को उद्योग आधारित प्रशिक्षण, प्रत्यक्ष परियोजनाओं, इंटर्नशिप और व्यावहारिक अनुभव के व्यापक अवसर उपलब्ध होंगे। वाइस चेयरमैन अक्षत गोयल ने कहा कि आरकेजीआईटी हमेशा गुणवत्तापूर्ण तकनीकी शिक्षा और उद्योग-अकादमिक सहयोग को प्राथमिकता देता रहा है। उनके अनुसार इलेक्ट्रिक वाहन तकनीक पर्यावरण संरक्षण, ऊर्जा दक्षता और नवाचार को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है तथा युवा पीढ़ी इस परिवर्तन की सबसे बड़ी भागीदार है। एल एंड टी एडुटेक के एसोसिएट डायरेक्टर राम शर्मा और उत्तर भारत के क्षेत्रीय प्रमुख आशीष मिश्रा ने बताया कि इस साझेदारी के अंतर्गत विद्यार्थियों को उद्योग-प्रमाणित पाठ्यक्रम, अत्याधुनिक प्रयोगशालाओं, विशेषज्ञों का मार्गदर्शन, इंटर्नशिप और प्रत्यक्ष औद्योगिक परियोजनाओं पर कार्य करने का अवसर मिलेगा, जिससे उनकी व्यावसायिक दक्षता और रोजगार क्षमता में वृद्धि होगी।

कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण आरकेजीआईटी और एल एंड टी एडुटेक के बीच समझौता ज्ञापन का औपचारिक आदान-प्रदान रहा। संस्थान ने बताया कि इस उत्कृष्टता केंद्र से विशेष रूप से मैकेनिकल, इलेक्ट्रिकल, इलेक्ट्रॉनिक्स एवं संचार सहित विभिन्न शाखाओं के विद्यार्थियों को उद्योग आधारित प्रशिक्षण, अनुसंधान और वैश्विक स्तर के कौशल विकास का लाभ मिलेगा।

रविदास जयंती पर भाजपा की समरसता अभियान को लेकर बैठक

» संवाददाता

बागपत। संत शिरोमणि गुरु रविदास महाराज की जयंती के उपलक्ष्य में समरसता संकल्प अभियान की तैयारी को लेकर भाजपाइयों ने बैठक की। जिसमें सामाजिक समरसता का संदेश देने के साथ संगठन को बूथस्तर तक मजबूत कर 2027 के विधानसभा चुनाव की तैयारियों में जुटने का आह्वान किया गया। बैठक में समरसता संकल्प अभियान' की रूपरेखा पर चर्चा करते हुए जिलाध्यक्ष नीरज शर्मा ने कहा कि संत गुरु रविदास के विचार समानता, सामाजिक सद्भाव और भाईचारे की प्रेरणा देते हैं। अभियान के दौरान जिले भर में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे, जिनका उद्देश्य संत रविदास के विचारों और सामाजिक समरसता के संदेश को जनजन न तक पहुंचाना है। उन्होंने कहा कि पीएम नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा समाज के सभी वर्गों को साथ लेकर समरस समाज के निर्माण की दिशा में कार्य कर रही है। बैठक में गुरु पूर्णिमा कार्यक्रमों की रूपरेखा भी तय की गई। इसके तहत जिले के विभिन्न मठों और मंदिरों के पुजारियों को अंगवस्त्र भेंट कर सम्मानित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि वर्ष 2027 के विधानसभा चुनाव को लक्ष्य मानकर प्रत्येक बूथ पर सक्रिय संगठन और जनता से निरंतर संवाद बनाए रखना आवश्यक है। कार्यक्रम का संचालन जिला महामंत्री अमित चौधरी ने किया। इस दौरान विधायक प्रतिनिधि गौरव यादव, जिला उपाध्यक्ष व अभियान जिला संयोजक विनोद बाल्मीकि, जिला मंत्री व कार्यक्रम सहसंयोजक दीपक भारती, सुन्दर धामा, विक्की सभासद, सतेन्द्र मौर्य, अनील तोमर, श्याम सुंदर गर्ग, अजय शर्मा, सरिता चौधरी, पवन शर्मा, अमित उपाध्याय मौजूद रहे।

गोरक्षकों ने कलक्ट्रेट में किया धरना-प्रदर्शन

» संवाददाता

बागपत। गो सम्मान आह्वान अभियान के अंतर्गत सोमवार को गोरक्षकों ने कलक्ट्रेट में नारेबाजी करते हुए धरना-प्रदर्शन किया। उन्होंने डीएम को प्रधानमंत्री के नाम सौंपे प्रधानमंत्री ज्ञापन में केंद्रीय गो सेवा एवं संरक्षण अधिनियम लागू करने की मांग की। साथ ही गो वधशालाओं के लाइसेंस निरस्त करने, स्वतंत्र केंद्रीय गो सेवा मंत्रालय और स्पेशल टास्क फोर्स का गठन करने की भी मांग की। उन्होंने देशी गोवंश को राष्ट्रमाता या राष्ट्र आराध्या के रूप में आधिकारित संवैधानिक मान्यता प्रदान कर उसे विशेष राष्ट्रीय संरक्षण दिया जाए। गो वध पर संज्ञेय एवं गैर जमानती अपराध में श्रेणी में रखा जाए। पंचगव्य अनुसंधान को बढ़ावा दिया जाए। प्रत्येक ग्राम पंचायत पर नंदीशाला और जिला स्तर पर एक आदर्श गो अभ्यारण्य या वृहद गोशाला की स्थापना कराई जाए। राष्ट्रीय और राज्य राजमार्गों पर 50 से 100 किमी पर गो वाहिनी एंबुलेंस और 150 से 200 किमी पर आधुनिक ट्रॉमा सेंटर की व्यवस्था की जाए। पाठ्यक्रमों में गो विज्ञान को अनिवार्य विषय के रूप में शामिल करें। चारा सुरक्षा कानून बनाकर चारे के औद्योगिक उपयोग पर पूर्ण प्रतिबंध लगे। इस दौरान मनुपाल बंसल, गौ सम्मान आह्वान अभियान के बागपत जिला प्रभारी परमजीत विश्वकर्मा, अजय, प्रमोद, शिवम, जितेंद्र, कपिल कुमार, शिवेंद्र सिंह, गजराज सिंह, ओंकार, रविंद्र कुमार, अभयवीर, सोनू, कालूराम आदि मौजूद रहे।

मुफ्त स्वास्थ्य शिविर में 200 लोगों की जांच हुई

» संवाददाता

गाजियाबाद। नंदग्राम के ई-ब्लॉक में गणेश अस्पताल ने निशुल्क स्वास्थ्य शिविर लगाया। इसमें करीब 200 लोगों ने स्वास्थ्य परीक्षण कराया। शिविर में मरीजों की सामान्य स्वास्थ्य जांच, रक्तचाप, शुगर सहित अन्य आवश्यक परीक्षण किए और स्वास्थ्य संबंधी परामर्श दिया। बिराज फाउंडेशन के संस्थापक डॉ. बिराज सिंह ने बताया कि आर्थिक रूप से कमजोर (ईडब्ल्यूएस) परिवार को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से शिविर लगाया गया। अस्पताल के निदेशक डॉ. प्रतीक शर्मा ने कहा कि सामाजिक दायित्व के तहत समय-समय पर ऐसे शिविर आयोजित करता रहेगा।

जागृति विहार में नाले की सफाई की मांग

» संवाददाता

गाजियाबाद। संजयनगर सैक्टर-23 जागृति विहार में नाले की सफाई न होने से लोगों को परेशानी उठानी पड़ रही है। बारिश के दिनों में पानी सड़क और घरों के सामने भर जाता है। व्यापारियों ने सोमवार को अपर नगर आयुक्त से मिलकर नाले की सफाई कराने की मांग की। व्यापारियों ने बताया पार्षद से नाला साफ कराने की मांग की, लेकिन वे इसपर ध्यान नहीं दे रहे। नाले की सफाई न होने से बारिश के दिनों में पानी सड़क पर भर जाता है। इस कारण आवाजाही में परेशानी होती है। नाले में जगह-जगह पॉलीथिन भरी है।

चोरी की बाइक के साथ आरोपी गिरफ्तार

» संवाददाता

गाजियाबाद। सिहानी गेट पुलिस ने जांच के दौरान वाहन चोर को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से चोरी की बाइक बरामद की। एसीपी नंदग्राम जियाउद्दीन अहमद ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी की पहचान थाना गढ़मुक्तेश्वर, जिला हापुड़ के गांव खिलवाई निवासी नकुल के रूप में हुई है। पूछताछ में आरोपी ने स्वीकार किया कि उसने 16 जुलाई को घंटाघर के पास एक दुकान के सामने खड़ी बाइक चोरी की थी।

कांवड़ यात्रा के दौरान संवेदनशील रहे यातायात पुलिस

» संवाददाता

गाजियाबाद। आगामी कांवड़ यात्रा को शांतिपूर्ण, सुरक्षित और व्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के उद्देश्य से सोमवार को कविनगर मैदान स्थित रामजानकी ऑडिटोरियम में यातायात पुलिस के अधिकारियों और कर्मचारियों की बैठक आयोजित की गई। इसमें डीसीपी ट्रैफिक ने कहा कि कांवड़ यात्रा के दौरान यातायात पुलिस के अधिकारी और कर्मचारी अनुशासन, संवेदनशीलता और जिम्मेदारी के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करें।

डीसीपी ट्रैफिक त्रिगुण बिसेन ने कहा कि कांवड़ यात्रा आस्था का बड़ा पर्व है। इस दौरान लाखों श्रद्धालु विभिन्न मार्गों से गुजरेंगे। ऐसे में प्रत्येक यातायात पुलिसकर्मी का व्यवहार धैर्यपूर्ण, विनम्र और सहयोगात्मक होना चाहिए। उन्होंने निर्देश दिए कि कांवड़ियों और आम नागरिकों के साथ शालीनता और सौहार्दपूर्ण व्यवहार रखा जाए तथा किसी भी समस्या का त्वरित समाधान किया जाए। उन्होंने ड्यूटी के दौरान पूरी सतर्कता बरतने और निर्धारित प्वाइंट पर समय से मौजूद रहने के निर्देश भी दिए। कहा कि यातायात व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने के लिए सभी अधिकारी आपसी समन्वय के साथ कार्य करें। किसी भी स्थान पर जाम की स्थिति बनने पर तत्काल वैकल्पिक व्यवस्था लागू की जाए, ताकि श्रद्धालुओं और आम लोगों को अनावश्यक परेशानी का सामना न करना पड़े। बैठक में सभी यातायात पुलिसकर्मियों को हेलमेट, रिफ्लेक्टिव जैकेट सहित अन्य सुरक्षात्मक उपकरणों का अनिवार्य रूप से उपयोग करने के निर्देश दिए गए।

उन्होंने कहा कि खुद की सुरक्षा सुनिश्चित करते हुए पूरी मुस्तैदी के साथ ड्यूटी करना आवश्यक है। डीसीपी ट्रैफिक ने कहा कि कांवड़ यात्रा के दौरान पुलिस की कार्यशैली सीधे जनता के बीच दिखाई देती है। इसलिए प्रत्येक अधिकारी और कर्मचारी अपने कर्तव्यों का पालन निष्ठा, शुचिता और समर्पण की भावना से करें। साथ ही किसी भी आपात स्थिति में तत्काल कार्रवाई करते हुए सुरक्षित, सुगम और व्यवस्थित यातायात व्यवस्था बनाए रखने को सर्वोच्च प्राथमिकता दें।

छात्राओं ने बेहतरीन प्रदर्शन कर स्कूल का नाम रोशन किया

» संवाददाता

बड़ौत। मवाना के रुद्र इंटरनेशनल स्कूल में आयोजित सीबीएसई क्लस्टर 19 एथलेटिक चौम्पियनशिप में जेपी पब्लिक स्कूल बड़ौत की छात्राओं ने बेहतरीन प्रदर्शन कर स्कूल का नाम रोशन किया। विद्यालय को एक सर्वश्रेष्ठ चौम्पियनशिप ट्रॉफी और अंडर-17 में एक सर्वश्रेष्ठ चौम्पियनशिप ट्रॉफी, 12 गोल्ड मेडल और एक ब्रॉन्ज मेडल से सम्मानित किया गया। अंडर-19 में कक्षा 12 की छात्रा कनक तोमर डिस्कस थ्रो व शॉटपुट में स्वर्ण पदक जीते। अंडर-17 में कक्षा 9 की छात्रा तनिष्का धामा ने सौ मीटर में कांस्य पदकअर्जित किया। 17 वर्षीय बालक वर्ग में रिले रेस में 4100 मीटर में पलक तोमर दिशा तोमर, तनिष्का धामा, लक्षिका दांगी व अनुश्री ने स्वर्ण पदक हासिल किया। इसी वर्ग रिले रेस 4 गुणा 400 मीटर में पलक तोमर, दिशा तोमर, तनिष्का धामा, लक्षिका दांगी, इशिका चिकारा स्वर्ण पदक जीता। इसके अलावा भव्य चौहान, लक्षिका दांगी, मेघा चौधरी, गुंजन, सिया, माही, वेदिका, वंदा, लवी नैन, अक्षिता तोमर, नंदिनी, अदिति तोमर ने भी प्रतियोगिता में हिस्सा लिया। राइफल शूटिंग देहरादून में आयोजित नॉर्थ जोन स्टेट राइफल शूटिंग प्रतियोगिता में अंडर-17 वर्ग में सार्थक चौहान द्वारा स्वर्ण पदक प्राप्त किया। विद्यालय की प्राचार्या शरण शर्मा ने छात्राओं की उपलब्धि पर उनका उत्साहवर्धन किया। निदेशक गौरव शर्मा व अभिषेक शर्मा ने कहा कि बच्चों की जीत ने स्कूल का नाम रोशन किया है। उन्हें उम्मीद है कि वह आगे भी इसी तरह से परिणाम लेकर आएंगे।

सुभारती विवि में कारगिल विजय दिवस मनाया

» संवाददाता

मेरठ। स्वामी विवेकानंद सुभारती विश्वविद्यालय में कारगिल विजय दिवस मनाया। कारगिल युद्ध के अमर शहीदों को श्रद्धापूर्वक नमन करते हुए उनके परिजनों का भी सम्मान इस कार्यक्रम में किया गया। सुभारती विश्वविद्यालय के परिसर में अवस्थित कारगिल शहीद स्मृति उपवन में कारगिल के शहीदों को कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एवं अन्य गणमान्य व्यक्तियों के द्वारा पुष्पांजलि एवं श्रद्धासुमन अर्पण के साथ इस भव्य कार्यक्रम की शुरुआत हुई। कार्यक्रम के दूसरे सत्र का आयोजन सत्यजीत रे प्रेक्षागृह में दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुआ। इस अवसर पर मुख्य अतिथि ब्रिगेडियर उमेश सिंह बावा, वीर चक्र, (सेनि.), कर्नल वीएन थापर (सेनि.), सुभारती विश्वविद्यालय की कुलाधिपति डॉ. स्तुति नारायण कक्कड़, प्रति- कुलाधिपति मेज. जन. डॉ. जीके थपलियाल, एसएम (सेनि.), कुलपति प्रो. डॉ. मुनीश सी. रेड्डी, मुख्य कार्यकारी अधिकारी प्रो. डॉ. शल्या राज, शहीद स्मारक एवं उपवन के अध्यक्ष डॉ. रोहित रविंद्र, सुभारती डिफेंस अकादमी के निदेशक कर्नल राजेश त्यागी, एसएम (सेनि.), विश्वविद्यालयय के पूर्व कुलपति प्रो. डॉ. एनके आहूजा सहित अनेक गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे। मुख्य अतिथि ब्रिगेडियर उमेश बावा, वीर चक्र, (सेनि.) ने अपने उद्बोधन में कारगिल युद्ध के दौरान अपने अनुभवों को साझा करते हुए भारतीय सेना के वीर सैनिकों के अदम्य साहस और शौर्य को याद किया। इस अवसर पर कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए सुभारती विश्वविद्यालय की कुलाधिपति डॉ. स्तुति नारायण कक्कड़ ने कहा कि कारगिल विजय दिवस केवल एक स्मृति दिवस नहीं, बल्कि राष्ट्र के प्रति अटूट समर्पण, साहस और त्याग का जीवंत संदेश है। स्वामी विवेकानंद सुभारती विश्वविद्यालय की मुख्य कार्यकारी अधिकारी प्रो. डॉ. शल्या राज ने कहा कि हम सभी उन अमर शहीदों के कृतज्ञ हैं, जिन्होंने हमारे देश की रक्षा के लिए अपनी कुर्बानी दी। इस अवसर पर कुलपति प्रो. डॉ. मुनीश सी. रेड्डी ने कहा कि कारगिल के वीर सैनिकों का शौर्य और बलिदान भारतीय इतिहास का स्वर्णिम अध्याय है। हम गौरवान्वित हैं कि स्वामी विवेकानंद सुभारती विश्वविद्यालय में हम शिक्षा के माध्यम से ऐसी पीढ़ी तैयार कर रहे हैं जो ज्ञान, चरित्र, अनुशासन और राष्ट्रभक्ति के मूल्यों से ओतप्रोत हैं। कार्यक्रम के दौरान ललित कला संकाय के विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत देशभक्ति से ओतप्रोत सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने सभी का मन मोह लिया। इस समारोह का संचालन डॉ. सीमा शर्मा व डॉ. अभिनव शर्मा ने किया। इस दौरान डॉ. सौकिन्द्र कुमार, डॉ. वैभव गोयल भारतीय, डॉ. सुधीर त्यागी, डॉ. मोनिका, डॉ. मनोज, डॉ. रविंद्र, डॉ. पिंटू, इंजी. आकाश, डॉ. इंद्रनील, डॉ. भावना, डॉ. सुभाष चंद्र, डॉ. रेणु, डॉ. शशिराज, डॉ. अमित, डॉ. अनोज राज, कर्नल असीम कुकरेजा, समीर, डॉ. संतोष, डॉ. प्रीति, डॉ. आशुतोष, डॉ. गौरव, विवेक, राम प्रकाश, संजय, जतिन, शुभम, दीपक आदि के साथ विभिन्न विभागों व संकायों के विद्यार्थी उपस्थित रहे।

महामंडल विधान में 500 अर्घ्यों से की जिनेंद्र प्रभु की आराधना

» संवाददाता

मेरठ। दिल्ली रोड स्थित सूर्या पैलेस में श्री चंद्र प्रभु दिगंबर जैन मंदिर में चल रहे श्री सिद्धचक्र महामंडल विधान के सातवें दिन श्रद्धा और भक्ति का माहौल रहा। श्रद्धालुओं ने तीर्थंकर भगवान आदिनाथ और भगवान महावीर स्वामी की नित्य नियम पूजा-अभिषेक कर धर्मलाभ उठाया। प्रथम शांतिधारा करने का सौभाग्य प्रदीप जैन, दीपक जैन, केवी प्रकाशन और वात्सल्य जैन को प्राप्त हुआ। विधानाचार्य प्रमोद शास्त्री ने कहा कि सावन का महीना धर्म की रक्षा और आत्मशुद्धि का संदेश देने वाला है। जैन धर्म में 700 जैन मुनियों पर घोर उपसर्ग भी सावन माह में ही आए थे। धार्मिक आयोजनों से समाज में धर्म, संस्कार और आध्यात्मिक चेतना का संचार होता है। विधान के दौरान धर्मेंद्र नवीन जैन ने सभी इंद्र-इंद्राणियों के साथ मंडल पर 500 अर्घ्य अर्पित किए। इस दौरान श्रद्धालु भक्तिभाव में डूबे नजर आए। भगवान चंद्रप्रभु के दर्शन और पूजा-अर्चना के लिए श्रद्धालुओं का तांता लगा रहा। बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने विधान में शामिल होकर पुण्यार्जन किया।

वित्तपोषित शोध परियोजनाओं की समीक्षा बैठक आयोजित

» संवाददाता

मेरठ। सरदार वल्लभभाई पटेल कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय के शोध निदेशालय में राष्ट्रीय कृषि विकास योजना (आरकेवीवाई) द्वारा वित्तपोषित शोध परियोजनाओं की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में सभी परियोजना समन्वयकों ने अपनी-अपनी परियोजनाओं की प्रगति एवं उपलब्धियों का प्रस्तुतीकरण किया। बैठक की अध्यक्षता करते हुए उत्तर प्रदेश कृषि अनुसंधान परिषद के उप महानिदेशक डॉ. परमेन्द्र सिंह ने कहा कि सभी परियोजनाओं के उद्देश्यों की समयबद्ध एवं प्रभावी पूर्ति के लिए सतत प्रयास किए जाएं। उन्होंने परियोजनाओं को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में सार्थक कदम उठाने पर बल देते हुए कहा कि इन परियोजनाओं का लाभ केवल विद्यार्थियों तक सीमित न रहकर किसानों तक भी पहुंचे।

उन्होंने वैज्ञानिकों से आधुनिक कृषि तकनीकों एवं नवाचारों की जानकारी प्राप्त करने के लिए देश-विदेश के अग्रणी कृषि एवं शोध संस्थानों का भ्रमण करने का भी आह्वान किया। शोध निदेशक डॉ. कमल खिलाड़ी ने कहा कि कृषि विश्वविद्यालय, मेरठ किसानों के हित में अनुसंधान एवं तकनीकी विकास के माध्यम से निरंतर कार्य कर रहा है।

भक्तमाल कथा में गूंजा भक्ति और संत महिमा का संदेश

» संवाददाता

मेरठ। जैनिस पैलेस में सोमवार को श्री वैष्णव भक्त सेवा संस्थान एवं चैरिटेबल ट्रस्ट की ओर से आयोजित पांच दिवसीय भक्तमाल कथा के तीसरे दिन कथा व्यास कपिल बावरे महाराज ने भक्तों की भक्ति और संतों की महिमा का वर्णन किया। कथा के दौरान श्रद्धालु भक्ति में लीन नजर आए और भजनों व जयकारों से कथा पंडाल भक्तिमय हो उठा। कपिल बावरे महाराज ने कहा कि भगवान की प्राप्ति के लिए धन, वैभव और सांसारिक सुखों से अधिक जरूरी सच्ची भक्ति और समर्पण है। जब भक्त का मन प्रभु की भक्ति में रम जाता है तो जीवन में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। संतों और भक्तों का जीवन समाज को धर्म, संस्कार और सत्य के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देता है। उन्होंने कहा कि भक्तमाल कथा में वर्णित भक्तों का जीवन हमें कठिन परिस्थितियों में भी भगवान के प्रति विश्वास बनाए रखने की सीख देता है। सच्चे मन से की गई भक्ति कभी व्यर्थ नहीं जाती। कथा के दौरान महाराज ने भक्तों के जीवन से जुड़े प्रसंगों का भावपूर्ण वर्णन करते हुए श्रद्धालुओं को भक्ति, सेवा और समर्पण के मार्ग पर चलने का संदेश दिया।कथा के बीच-बीच में भजनों और जयकारों से वातावरण भक्तिमय बना रहा। श्रद्धालुओं ने कथा का श्रवण कर धर्मलाभ उठाया।

बिजली अफसर कांवड़ मार्ग पर उतरे, तैयारियां परखी

» संवाददाता

मेरठ। बिजली विभाग के अफसरों ने कांवड़ मार्ग पर बिजली सुरक्षा को लेकर निरीक्षण कर व्यवस्थाएं परखी। मुख्य अभियंता मेरठ जोन प्रथम रजनीकांत मिश्रा ने अधिकारियों के साथ औघड़नाथ मंदिर एवं आसपास क्षेत्र का निरीक्षण किया। बिजली अधिकारियों के साथ उन्होंने मंदिर के आसपास एवं कांवड़ मार्ग पर सुरक्षा इंतजामों का जायजा लिया। बिजली के खंभों पर आठ फीट की ऊंचाई तक की जा रही पॉलीथिन टेपिंग का भी निरीक्षण किया। बिजली लाइनों एवं मंदिर-मेला क्षेत्र को की जाने वाली निर्बाध आपूर्ति को लेकर अधिशासी अभियंताओं, एसडीओ को निर्देश भी दिए। इधर, कांवड़ यात्रा के दौरान शिव भक्तों को करंट और अन्य विद्युत दुर्घटनाओं से बचाने के लिए पीवीवीएनएल डिस्कॉम प्रबंधन ने कांवड़ मार्गों पर सुरक्षा अभियान में तेजी ला दी। शहर से लेकर देहात तक कांवड़ मार्गों पर चिहिन्त बिजली के खंभों को पॉलीथिन एवं पीवीसी कवर से सुरक्षित किया जा रहा है। इसी के साथ ढीली तथा झूलती लाइनों को कसने का काम भी तेज कर दिया। मुख्य अभियंता मेरठ जोन प्रथम रजनीकांत मिश्रा एवं मुख्य अभियंता मेरठ जोन द्वितीय गुरजीत सिंह ने बताया कि अगले तीन दिनों में यह कार्य पूरे करने के निर्देश दिये है। बारिश और नमी के कारण पोलों में उतरने वाले करंट के खतरे को रोकने के लिए प्रमुख मार्गों एवं शिविरों के पास खंभों को लगभग आठ फीट की ऊंचाई तक पॉलीथिन और पीवीसी पाइप से कवर किया जा रहा है।

पुण्यतिथि पर डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम को कांग्रेसियों ने किया नमन

मेरठ। कस्बा खिवाई में सोमवार को कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने भारत के पूर्व राष्ट्रपति एवं महान वैज्ञानिक डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम की पुण्यतिथि पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। इस दौरान उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर उनके व्यक्तित्व एवं कृतित्व को याद किया गया। इस दौरान सरूरपुर ब्लॉक अध्यक्ष मुरसलीन चौहान ने कहा कि डॉ. कलाम का जीवन युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत है। उन्होंने देश को विज्ञान और तकनीक के क्षेत्र में नई पहचान दिलाई, व राष्ट्र निर्माण के लिए उनके योगदान को हमेशा याद रखा जाएगा। कार्यक्रम में, रईस चौहान, शम्मी चौहान, मनु चौहान समेत कांग्रेस कार्यकर्ता मौजूद रहे।

ईशा ग्रामोत्सव में कौल क्लब बना चैंपियन

» संवाददाता

मेरठ। ईशा आउटरीच की ओर से आयोजित ईशा ग्रामोत्सव-2026 के तहत रुड़की रोड स्थित ललसाना की हार्डहिटर वॉलीबॉल अकादमी में दो दिवसीय ग्रामीण वालीबॉल प्रतियोगिता का समापन। मेरठ जनपद की 29 ग्रामीण वॉलीबॉल टीमों ने शानदार प्रदर्शन किया। फाइनल में कौल क्लब ने चैंपियन बनने का गौरव हासिल किया। कप्तान मुकुल चौधरी के नेतृत्व में टीम ने प्रथम स्थान के साथ 10 हजार की पुरस्कार राशि जीती। देशवाल मोड़ कलां की टीम उपविजेता रही और उसे 7 हजार का पुरस्कार मिला। युवा क्लब कर्णावल ने तीसरा स्थान प्राप्त कर पांच हजार तथा मदान टाइटंस ने चौथा स्थान हासिल कर तीन हजार की पुरस्कार राशि प्राप्त की। प्रथम और द्वितीय स्थान पर रहने वाली दोनों टीमें लखनऊ में अगले चरण में मेरठ का प्रतिनिधित्व करेंगी। मेरठ, मुजफ्फरनगर और वाराणसी में क्लस्टर प्रतियोगिताओं में कुल 118 ग्रामीण टीमों ने हिस्सा लिया। लखनऊ चरण से चयनित टीमें 6 सितंबर को कोयंबटूर स्थित ईशा योग केंद्र में होने वाले फाइनल में भाग लेंगी। उद्घाटन सेवानिवृत्त मेजर सूबेदार एवं राष्ट्रीय वॉलीबॉल खिलाड़ी पवन कुमार ने किया। क्वार्टर फाइनल का शुभारंभ लेफ्टिनेंट कर्नल, सेमीफाइनल का उद्घाटन सरस्वती शिशु मंदिर की प्रधानाचार्या गीता पुंडीर तथा समापन एवं पुरस्कार वितरण समारोह के मुख्य अतिथि दिल्ली पुलिस के डीएसपी एवं अंतरराष्ट्रीय वॉलीबॉल खिलाड़ी किरण पाल राणा रहे।

कलक्ट्रेट में गूंजे भजन, गोमाता को राष्ट्र माता घोषित करने की उठी मांग

» संवाददाता

मेरठ। भजन-कीर्तन और 'गोमाता की जय' के जयघोष के बीच सोमवार को कलक्ट्रेट परिसर अलग ही माहौल में नजर आया। गो सम्मान आह्वान अभियान से जुड़े संत, गोभक्त और कार्यकर्ता कलक्ट्रेट पहुंचे और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नाम संबोधित स्मरण पत्र प्रशासन को सौंपा। प्रदर्शनकारियों ने देशी गोवंश को पूर्ण सुरक्षा देने, गोमाता को ₹राष्ट्र माता₹ घोषित करने और केंद्र स्तर पर गो पालन मंत्रालय के गठन की मांग उठाई।
अभियान से जुड़े लोगों ने बताया कि 27 अप्रैल, 2026 को देशभर की 5,100 तहसीलों से सवा पांच करोड़ से अधिक हस्ताक्षरों के साथ प्रधानमंत्री को प्रार्थना पत्र भेजा गया था। उनका कहना है कि अब तक इस पर अपेक्षित कार्रवाई नहीं होने के कारण अनुस्मरण पत्र फिर से भेजा गया है। स्मरण पत्र में पूरे देश में देशी गोवंश की विधिवत सेवा, संरक्षण और राष्ट्रीय सम्मान सुनिश्चित करने के लिए केंद्रीय कानून बनाने की मांग की गई है। साथ ही गो संरक्षण, संवर्धन और प्रबंधन की विस्तृत कार्ययोजना भी सरकार को सौंपी गई है। अभियान के प्रतिनिधियों का कहना है कि पर्यावरण संरक्षण को ध्यान में रखते हुए हस्ताक्षरों और अन्य दस्तावेजों की डिजिटल प्रतियां पेनड्राइव के माध्यम से भी उपलब्ध कराई गई हैं। प्रतिनिधियों ने कहा कि गोवंश भारतीय संस्कृति और ग्रामीण अर्थव्यवस्था का महत्वपूर्ण आधार है। इसलिए इसके संरक्षण के लिए ठोस नीति और अलग मंत्रालय का गठन समय की जरूरत है। ज्ञापन जिला प्रशासन के माध्यम से प्रधानमंत्री को भेजा गया। इस दौरान अभियान से जुड़े सदस्य भजन-कीर्तन करते हुए कलक्ट्रेट पहुंचे और शांतिपूर्ण ढंग से अपनी मांग प्रशासन के समक्ष रखी।

व्यापारियों ने जीएसटी दफ्तर पर प्रदर्शन

» संवाददाता

मेरठ। जीएसटी से संबंधित विभिन्न समस्याओं को लेकर उद्योग व्यापार प्रतिनिधिमंडल के बैनर तले व्यापारियों ने जुलूस निकालकर राज्य कर विभाग के दफ्तर पर प्रदर्शन किया। अधिकारियों को ज्ञापन देकर समस्याओं के समाधान की मांग की। लोकेश एवं युवा नेता इसरार के नेतृत्व में व्यापारियों ने राज्य कर विभाग के अधिकारियों से मुलाकात कर ज्ञापन दिया। व्यापारियों ने उत्पीड़नात्मक कार्रवाई पर आक्रोश जताया। नोटिस जारी किये जा रहे है, लेकिन इनके निस्तारण में दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। राज्य कर विभाग के अधिकारियों ने व्यापारियों को आश्वासन दिया कि उनकी समस्याओं का तत्परता से समाधान किया जाएगा।

आंदोलनकारी छात्रों की जीत पर जनवादी महिला समिति ने दी बधाई

» एजेंसी। रोहतक

अखिल भारतीय जनवादी महिला समिति ने पेपर लीक, शिक्षा के व्यापारीकरण और छात्र विरोधी नीतियों के खिलाफ लंबे समय तक संघर्ष करने वाले देशभर के छात्र-युवाओं को हार्दिक बधाई दी है। समिति ने कहा कि केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा छात्रों के लोकतांत्रिक, साहसी और लगातार चले संघर्ष की महत्वपूर्ण जीत है। हम सब जानते हैं कि पेपर लीक की निरंतर घटनाओं ने लाखों छात्रों का भविष्य किस प्रकार संकट में डाल दिया है। इन घटनाओं से उत्पन्न निराशा और मानसिक दबाव के कारण अनेक छात्र-छात्राओं ने अपनी जान गंवाई। केंद्र सरकार ने लंबे समय तक छात्रों की जायज़ मांगों को अनदेखा किया और आंदोलन को दबाने के लिए लाठीचार्ज तथा दमनकारी कदम उठाए लेकिन छात्रों और युवाओं ने लोकतांत्रिक ढंग से अपना संघर्ष जारी रखा और अंततः सरकार को झुकना पड़ा। गौरतलब है कि तमाम तरह की बाधाओं और पुलिस दमन के बावजूद देश भर में चले इस आंदोलन में युवा लड़कियों ने भी बड़ी संख्या में हिस्सेदारी की है।

धार्मिक आयोजन समाज को जोड़ने का सशक्त माध्यम है : सर्वप्रिय त्यागी

» एजेंसी। गुरुग्राम

कन्नड़ समाज की ओर से आयोजित भगवान सत्यनारायण व्रत एवं पूजा महोत्सव में भाजपा गुरुग्राम के जिलाध्यक्ष सर्वप्रिय त्यागी ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। त्यागी ने कहा कि भगवान सत्यनारायण की पूजा सत्य, सेवा, श्रद्धा और सदाचार का संदेश देती है। उन्होंने कहा कि सनातन संस्कृति के ऐसे धार्मिक आयोजन समाज में आध्यात्मिक चेतना, सामाजिक समरसता और पारिवारिक मूल्यों को मजबूत करने का कार्य करते हैं। भारत की विविधता में एकता की परंपरा का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि विभिन्न प्रदेशों की सांस्कृतिक परंपराएं पूरे देश को एक सूत्र में बांधने का कार्य करती हैं।

आवर्ती जमा योजना में लोगों ने दिखाई रूचि

» एजेंसी। गुरुग्राम

जिले के लोगों के लिए डाकघर की आवर्ती जमा योजना भरोसेमंद विकल्प बनकर उभर रही है। जिले में इस योजना के प्रति लोगों का रुझान लगातार बढ़ रहा है। जून महीने में जिले में 2300 से अधिक लोगों ने डाकघर की आवर्ती जमा योजना में निवेश कर अपना खाता खुलवाया। नियमित बचत और सरकार की गारंटी के कारण यह योजना नौकरीपेशा, गृहिणियों, छोटे कारोबारियों और युवाओं के बीच तेजी से लोकप्रिय हो रही है।

सांसद के नेतृत्व में विशाल रोष प्रदर्शन

युवा शक्ति के सामने हठी सरकार को झुकना ही पड़ा : दीपेन्द्र हुड्डा

» एजेंसी। रोहतक

सांसद दीपेन्द्र हुड्डा ने आज दिल्ली में छात्रों पर हुए बर्बर लाठीचार्ज और भाजपा सरकार की दमनकारी नीतियों के विरोध में 'छात्रों की गूंज' कार्यक्रम के माध्यम से अंबेडकर चौक से भिवानी स्टैन्ड तक आयोजित विशाल रोष प्रदर्शन में देश के सभी युवाओं और छात्रों को बधाई देते हुए कहा कि अंततः युवा शक्ति के सामने हठी सरकार को झुकना ही पड़ा। उनका कहना था कि यह केवल एक मंत्री का इस्तीफा नहीं, देश के लाखों युवाओं और छात्रों के संघर्ष की पहली बड़ी जीत है। जो सरकार युवाओं की आवाज को अनसुना कर रही थी, उसे आज झुकना ही पड़ा। लड़ाई अभी खत्म नहीं हुई है, जब तक पूरी व्यवस्था में सुधार और न्याय नहीं मिलता, हम रुकेंगे नहीं।

दीपेन्द्र हुड्डा ने कहा कि प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री ने जय जवान जय किसान का नारा दिया था। बीजेपी सरकार दोनों की दुश्मन है पहले किसानों को बर्बाद करने पर तुली हुई थी अब छात्रों को। यह पहला पड़ाव है, बीजेपी सरकार का घमंड अभी सिर्फ टूटा है, जब तक यह चकनाचूर नहीं हो जाता। जब तक शिक्षा और परीक्षा व्यवस्था में सम्पूर्ण बदलाव नहीं आएगा, तब तक हमारी लड़ाई जारी रहेगी। रोष मार्च बड़े प्रदर्शन में तब्दील हो गया। पूरे मार्च के दौरान छात्रों पर लाठियां नहीं चलेगी.. गृह मंत्री जवाब दो के नारे लग रहे थे। उन्होंने आगे कहा कि लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी के नेतृत्व में छात्रों की गूंज के माध्यम से लगातार नौजवानों के हक की लड़ाई लड़ी जा रही है। जिस तरह दिल्ली में पुलिस ने युवाओं के साथ बर्बरता की आज उसके खिलाफ रोष प्रदर्शन है। आज सत्ता में बैठे ये वही लोग थे, जो कहते थे कि बीजेपी सरकार में इस्तीफा नहीं होता। सांसद दीपेन्द्र हुड्डा ने कहा कि जो कांग्रेस दफ्तर का घेराव कर रहे थे, हमें पुलिस हिरासत में ले रहे थे, आज वो अपने महलों में छिपे बैठे हैं। आज देश के युवाओं ने दिखा दिया है कि ये जीत देश की जनता की है। उन्होंने कहा कि जब तक एक-एक लाठी, एक-एक आंसू गैस के गोले और पानी की बौछार का हिसाब नहीं होगा और देश के युवाओं की आवाज दबाने का हिसाब नहीं होगा, तब तक ये लड़ाई लड़ेंगे। बीजेपी सरकार को युवाओं से माफी मांगनी होगी। जिन लोगों ने छात्रों के साथ बर्बरता की उन पर कार्रवाई नहीं होगी और शिक्षा व परीक्षा व्यवस्था में आमूलचूल परिवर्तन नहीं होगा, तब तक ये लड़ाई रुकेगी नहीं। सांसद दीपेन्द्र हुड्डा ने कहा कि बीजेपी सरकार ने देश के इतिहास में सबसे ज्यादा बेरोजगारी दे दी। देश के युवाओं के भविष्य का भट्ठा बैठा दिया। पैसों के दम पर नीट पेपर आउट कराकर काबिल बच्चों पीछे धकेलने वाले नाकाबिल युवा जब डॉक्टर बनेंगे तो वो मरीजों के साथ क्या करेंगे, ये सोचकर ही रूह कांप जाती है। नाकाबिल जब पैसे से पेपर खरीदकर डॉक्टर बनेंगे तो लूट ही मचाएंगे।

उन्होंने कहा कि बीजेपी सरकार में नौकरी हो या अड्मिशन सबके पेपर लीक हो रहे हैं। संसद में देश की शिक्षा व परीक्षा प्रणाली में व्यापक बदलाव पर चर्चा हो। सारा विपक्ष एकजुट होकर युवाओं के साथ खड़ा है।

प्रधानमंत्री व मुख्यमंत्री के नेतृत्व में प्रदेश में विकास कार्यों की झड़ी : गौरव गौतम

» एजेंसी। पलवल

हरियाणा सरकार में खेल एवं कानून राज्य मंत्री गौरव गौतम ने सोमवार को नगर परिषद पलवल के वार्ड-10 स्थित कुसलीपुर क्षेत्र में पांच करोड़ रुपये से अधिक की लागत से विभिन्न विकास कार्यों का शिलान्यास किया। इस अवसर पर स्थानीय नागरिकों ने पगड़ी पहनाकर और फूल-मालाओं से उनका गर्मजोशी के साथ स्वागत किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए गौरव गौतम ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में हरियाणा विकास की नई ऊंचाइयों को छू रहा है। प्रदेशभर में सड़क, शिक्षा, स्वास्थ्य, पेयजल, स्वच्छता और आधारभूत ढांचे के क्षेत्र में तेजी से विकास कार्य हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि पलवल में भी बिना किसी भेदभाव के जनहित को प्राथमिकता देते हुए विकास परियोजनाओं को धरातल पर उतारा जा रहा है। राज्य मंत्री ने कहा कि वार्ड-10 में शुरू किए गए विकास कार्यों के पूरा होने से लोगों को बेहतर सड़कें, सुचारु जल निकासी और अन्य मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध होंगी। इससे जलभराव की समस्या का समाधान होगा और आवागमन भी अधिक सुगम बनेगा।

उन्होंने विश्वास जताया कि इन परियोजनाओं से क्षेत्र के समग्र विकास को नई दिशा मिलेगी। गौरव गौतम ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश निरंतर प्रगति कर रहा है और हरियाणा सरकार मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में इस विकास यात्रा को गांव-गांव और शहर-शहर तक पहुंचाने का कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि पलवल को आधुनिक और सुविधायुक्त शहर बनाने के लिए विकास कार्य लगातार जारी रहेंगे और जनहित की योजनाओं में कोई कमी नहीं आने दी जाएगी। गर परिषद चेयरमैन डॉ. यशपाल ने कहा कि जिन परियोजनाओं का शिलान्यास किया, उनमें ओबीसी सामुदायिक भवन का निर्माण, विभिन्न मोहल्लों एवं गलियों में सड़क और नाली निर्माण, सरकारी स्कूल से विभिन्न मार्गों तक संपर्क सड़क का निर्माण सहित कई अन्य विकास कार्य शामिल हैं।

पीडब्ल्यूडी अधिकारियों ने किया एलिवेटेड रोड का निरीक्षण

» एजेंसी। फरीदाबाद

बल्लभगढ़ में करीब 225 करोड़ रुपए की लागत से बनाए जा रहे निर्माणाधीन मोहना एलिवेटेड रोड के कार्य में लगातार हो रही देरी को लेकर लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) ने सख्ती दिखाई है। पीडब्ल्यूडी के अधीक्षण अभियंता (एसई) मनोज ओला ने शनिवार को विभाग के अधिकारियों के साथ निर्माण स्थल का निरीक्षण किया। ठेकेदार को कार्य में तेजी लाने के साथ-साथ निर्माण सामग्री की गुणवत्ता बनाए रखने के सख्त निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि एलिवेटेड पुल का निर्माण कार्य हर हाल में 31 दिसंबर 2026 तक पूरा किया जाएगा। गौरतलब है कि मोहना एलिवेटेड रोड का निर्माण कार्य जून 2024 में शुरू हुआ था। करीब 225 करोड़ रुपए की लागत वाली इस परियोजना के तहत 90 पिलरों का निर्माण होना है। हालांकि, अभी भी लगभग 300 मीटर क्षेत्र में पिलरों का काम अधूरा है। परियोजना पूरी होने के बाद बल्लभगढ़ से केएमपी एक्सप्रेसवे की ओर जाने वाले वाहन ड्राइवरों को जाम से राहत मिलने की उम्मीद है।

मोनू मानेसर की अगुवाई में निकाली गो-सम्मान यात्रा

» एजेंसी। गुरुग्राम

गोमाता को राष्ट्र माता का दर्जा दिलाने और संपूर्ण भारत में गौहत्या को पूरी तरह समाप्त करने की मांग को लेकर सोमवार को शहर में एक विशाल गो सम्मान आह्वान अभियान यात्रा निकाली गई। इसका नेतृत्व मोनू मानेसर ने किया। बजरंग दल के सदस्य और गौरक्षक नाम से मशहूर मोनू मानेसर की अगुवाई में निकाली जा रही यात्रा में सेंकड़ों की संख्या में गौरक्षक, हिंदू संगठनों के प्रतिनिधि और गौ-समर्थक शामिल हुए। सभी समर्थक और गोरक्षक कमान सराय ग्राउंड में एकत्रित हुए। वहां सभा के बाद विधिवत रूप से यात्रा शुरू की गई। यह यात्रा कमान सराय ग्राउंड से शुरू होकर शहर के प्रमुख इलाकों अग्रसेन चौक, डाकखाना चौक, सदर बाजार, सोहना चौक और राजीव चौक से होते हुए गुजरी। यात्रा का अंतिम पड़ाव लघु सचिवालय रहा, जहां प्रशासनिक अधिकारियों के माध्यम से सरकार को अपनी मांगों का एक ज्ञापन सौंपा गया।

मोनू मानेसर ने केंद्र सरकार से मांग की है कि देश में गायों के संरक्षण के लिए एक अलग केंद्रीय गोसेवा मंत्रालय का गठन किया जाए। साथ ही गोवंश की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए पूरे देश में एक समान और बेहद सख्त केंद्रीय कानून लागू किया जाए। इस बड़े प्रदर्शन को देखते हुए शहर के प्रमुख चौराहों पर पुलिस बल तैनात किया गया। गौमाता को राष्ट्र माता का दर्जा दिलाने और देश में पूर्ण गौहत्या बंदी की मांग को लेकर आयोजित गौ सम्मान आह्वान अभियान यात्रा में सनातन धर्म के प्रमुख साधु-संतों, महंतों और महामंडलेश्वरों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। कमान सराय ग्राउंड में एकत्रित हुए संतों ने समाज को गौ-रक्षा के लिए एकजुट होने का संकल्प दिलाया। संतों ने केंद्र सरकार से तत्काल प्रभाव से एक स्वायत्त केंद्रीय गोसेवा मंत्रालय का गठन करने और देशव्यापी सख्त कानून बनाने की जोरदार वकालत की है। यात्रा के मद्देनजर जिला प्रशासन और पुलिस विभाग ने सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए। कमान सराय ग्राउंड से लेकर डीसी कार्यालय तक पूरे यात्रा मार्ग पुलिस जवान तैनात किए हैं।

पेपर लीक के विरोध में भीम आर्मी ने किया प्रदर्शन

» एजेंसी। फरीदाबाद

नीट परीक्षा पेपर लीक मामले को लेकर शनिवार को भीम आर्मी के दर्जनों कार्यकर्ताओं ने सेक्टर-12 स्थित लघु सचिवालय पर विरोध प्रदर्शन किया।दर्शन के बाद कार्यकर्ताओं ने जिला उपायुक्त के माध्यम से राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन सौंपकर केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग की। प्रदर्शन में भीम आर्मी के ओमप्रकाश, कुलदीप एडवोकेट, छात्रा अंजलि, दिव्यांग महिला गीत सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे। सभी ने सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए कहा कि नीट पेपर लीक मामले ने देश के लाखों छात्रों के भविष्य के साथ खिलवाड़ किया है। उनका कहना था कि इस मामले की निष्पक्ष जांच होनी चाहिए और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जानी चाहिए। भीम आर्मी के कार्यकर्ताओं ने कहा कि दिल्ली के जंतर-मंतर पर छात्र अपनी मांगों को लेकर शांतिपूर्ण तरीके से प्रदर्शन कर रहे थे, लेकिन उन पर पुलिस द्वारा लाठीचार्ज किया गया, जो पूरी तरह गलत है।

पंचायती भूमि पर बने आवासों को मिलेगा कानूनी मालिकाना हक : मनीष फौगाट

» एजेंसी। झज्जर

जिला परिषद के सीईओ मनीष फौगाट ने बताया कि राज्य सरकार द्वारा पंचायत (शामलात) भूमि पर बने पात्र आवासों को कानूनी मालिकाना हक प्रदान करने के उद्देश्य से समाधान पोर्टल शुरू किया गया है। इस पहल से वर्षों से पंचायत भूमि पर निवास कर रहे पात्र परिवारों को उनके आवास का वैध स्वामित्व प्राप्त करने का अवसर मिलेगा। उन्होंने बताया कि इस योजना के तहत वर्ष 2004 से पहले पंचायत भूमि पर बने पात्र आवासों के लिए ऑनलाइन आवेदन किया जा सकता है। निर्धारित नियमों के अनुसार 500 वर्ग गज तक के मकानों का नियमितीकरण किया जाएगा। पूरी प्रक्रिया ऑनलाइन और पारदर्शी होगी, जिससे आवेदकों को कार्यालयों के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे। सीईओ मनीष फौगाट ने बताया कि आवेदन से लेकर स्वामित्व प्रमाण पत्र जारी होने तक की प्रक्रिया पांच चरणों में पूरी की जाएगी। पहले चरण में समाधान पोर्टल पर ऑनलाइन आवेदन कर आवश्यक जानकारी एवं दस्तावेज अपलोड करने होंगे। दूसरे चरण में ग्राम पंचायत द्वारा आवेदन का सत्यापन किया जाएगा।

उन्होंने बताया कि तीसरे चरण में संबंधित अधिकारी मौके का निरीक्षण कर अपनी रिपोर्ट ऑनलाइन प्रस्तुत करेंगे। चौथे चरण में मुख्यालय स्तर पर आवेदन की स्वीकृति दी जाएगी तथा पांचवें एवं अंतिम चरण में पोर्टल के माध्यम से डिजिटल स्वामित्व प्रमाण पत्र जारी कर दिया जाएगा।

मालिक, मुद्रक व प्रकाशक रंजीत सिंह ने युरेशिया प्रिंटिंग प्रेस, 270, फूलबाग कालोनी सूरज कुण्ड रोड, मेरठ-250001 (उ0प्र0) से मुद्रित कराकर कार्यालय : म0स0 1 सतीश चंद्र भवन, रिठानी पूठा रोड, निकट रेलवे क्रासिंग, मेरठ-250103 (उ0प्र0) से प्रकाशित किया।

सम्पादक : रंजीत सिंह आरएनआई नं0 UPHIN2001/03844